व्यवसाय योजना

चिरायता खेती/उत्पादन (जड़ी-बूटी)

समान रूचि समूह पाहनाला

ग्राम वन विकास समिति -	पाहनाला
ग्राम पंचायत -	खडिहार
वन परिक्षेत्र -	भुन्तर
वनमण्डल -	पार्वती
वनवृत -	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एव आजीविका सुधार परियोजना

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-3
2	समान रूचि समूह का विवरण	3
3	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	4-5
4	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	5
5	उत्पादन की प्रक्रिया	5-8
6	उत्पादन हेतु नियोजन	8
7	विपणन	8-9
8	समूह सदस्यों के मध्य उघम का प्रबंधन	9
9	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	9-10
10	उघम हेतु अनुमानित लागत	10-13
11	उघम हेतु लागत - लाभ विश्लेषण(एक चक्र के लिए) :	13-
12	समूह की वित्तीय आवश्यकता	13
13	समूह की वित्तीय संसाधन	13
14	सम विच्छेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वाइंट)	14
15	टिप्पणी /गणना	15
16	समान रूचि समूह के नियमों की सूचि	16
17	ग्राम वन विकास समिति कार्यकारणी का अनमोदन	17
18	सहमति पत्र व मण्डल प्रबन्धन इकाई की स्वकृति	18
19	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	19

1. कार्यकारिणी सारांश / परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय में स्थित है । यह राज्य कुदरती सुंदरता और समृ द्वि, सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहर से भरपूर है। राज्य में विविध परितंत्र, नदियों, घाटियों पाई जाती है । इसकी आबादी 70 लाख के करीब है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि० मी० है । हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाडियों से लेकर मध्य हिमालय का क्षेत्र के ऊँचाई व और ठंडे जोन का क्षेत्र पाया जाता है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में से 6 जिले में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है । जिसमे कुल्लू जिला भी शामिल है । कुल्लू जिले के पार्वती **वनमण्डल** वनवृत के अंतर्गत परियोजना के तहत ग्रामीण वन विकास समिति पाहनाला की सूक्ष्म योजना बनाई गयी है।

ग्रामीण वन विकास समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु प्रत्येक परिवार की औसत भूमि बहुत कम है। अन्य संसाधन न होने के कारण उनके आय में अपेक्षित बढोतरी नहीं हो पा रही है । आय की बढोतरी करने के लिए चिरायता उत्पादन (जड़ी-बूटी) समान रूचि समूह का 23 अक्टूबर, 2021 को गठन किया गया है। इस समूह में कुल 2 महिलाएँ और 8 पुरुष सदस्य है । समूह के सभी सदस्य गरीब व अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखते हैं। समान रूचि समूह से वि स्तार से चर्चा करने पर वन भूमि की कई वर्षों से खाली पड़ी नर्सरी में चिरायता उत्पादन (जड़ी-बूटी) व विपणन करने का निर्णय किया है।

<u>चिरायता उत्पादन (जड़ी-बूटी) पौधे की विशेषता: -</u>

चिरायता पौधे की प्रजाती (*Swertia chirayita*) हिमाचल प्रदेश में समशीतोष्ण और उप-अल्पाइन क्षेत्रों में पाई जाती है। यह पौधा 1200 से 3000 मीटर की ऊँचाई पर लगा हुआ पाया जाता है । इस पौधे को मुख्य रूप से अस्थमा, रक्तषोधन, त्वचा रोग, पेट दर्द, कब्ज रोग, मलेरिया ज्वर आदि के रोकथाम की औषधी में प्रयोग किया जाता है। इस पौधे में यह विशेषता है कि इसके सभी भाग जड से लेकर तना-पती-बीज तक औषधी में प्रयोग किये जाते हैं।

<u>चिरायता पौधे को उगाने की आवश्यकता क्यों ?</u>

चिरायता की बाज़ार में विभिन्न प्रकार की औषधी बनाने के लिए भारी मांग रहती है और आजकल 250 से लेकर 300 तक प्रति किलोग्राम चिरायता विक्रय किया जा रहा है। इस पौधे को एक वर्ष तक नर्सरी में बीज से बिजाई करके तैयार किया जाता है। इसके उपरान्त निजी भूमि व वन भूमि में रोपण करके लगभग 1 साल 6 महीने के बाद परिपक्वा होने पर दोहन व विपणन किया जा सकता है । क्योंकि पौधे को नर्सरी में उगाने व पौधारोपण करने की आसान विधि है इसीलिए समान्य व्यक्ति भी साधारण विधि से इस पौधे का उत्पादन आसानी से कर सकता है।

<u>उत्पादन व विपणन की योजना: -</u>

परियोजना की सहायता से प्रारम्भ में 6000 चिरायता पौधे (एक वर्ष के) गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान मौहल, कुल्लू से क्रय करके पौधारोपण किया जाएगा तथा इस वर्ष बीज को भी क्रय करके आगामी वर्षों के पौधारोपण के लिए बिजाई की जाएगी ताकि लगभग 6000 पौधे अगले वर्ष के लिए तैयार हो सके। एक साल छ: महीने बाद रोपित किये पौधे परिपक्वा हो जायेंगे तथा जड़-मूल-पते सहित लगभग 15

क्विंटल उत्पादन होगा और इस उत्पाद को गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान मौहल, कुल्लू या खुले बाज़ारों में विपणन किया जाएगा । समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तों के हिसाब से कार्यों का आपसी बंटवारा करेगे तथा समान रूप से कार्य के अनुसार लाभांश का बंटवारा करेंगे।

समान रूचि समूह की व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री पदम् सिंह चौहान (Retd HPFS), श्री मदन लाल (SMS), श्रीमती बबिता ठाकुर (FTU Co-ordinator), श्री सुशील महंत वन खंड अधिकारी और श्री डीकेश कुमार वन रक्षक (पाहनाला) ने बार-बार समूह के सदस्यों से बैठक करके जड़ी-बूटी विशेषज्ञ डॉ केo एसo कनवाल की राय के अनुसार व्यवसाय योजना को तैयार किया है।

क्रमांक	लाभार्थी का नाम	पद	गांव	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	टेक चंद	प्रधान	पाहनाला	25	पुरुष	10वी	अनुसूचित जाति	8580605370
2	मान दास	सचिव	पाहनाला	28	पुरुष	12वी	अनुसूचित जाति	8091748506
3	दुर्गी देवी	कोषाध्यक्ष	पाहनाला	40	स्त्री	5वी	अनुसूचित जाति	8894646804
4	जगदीश	सदस्य	पाहनाला	22	पुरुष	5वी	अनुसूचित जाति	8219445120
5	महेंद्र पाल	सदस्य	पाहनाला	25	पुरुष	12वी	अनुसूचित जाति	8219624143
6	टिकी देवी	सदस्य	पाहनाला	50	स्त्री	5वी	सामान्य	9816766287
7	बिहारी लाल	सदस्य	पाहनाला	36	पुरुष	10वी	अनुसूचित जाति	7876521456
8	श्याम चंद	सदस्य	पाहनाला	30	पुरुष	5वी	अनुसूचित जाति	9805103922
9	कमल राज	सदस्य	पाहनाला	33	पुरुष	10वी	अनुसूचित जाति	9816349432
10	भूपेन्द्र सिंह	सदस्य	पाहनाला	30	पुरुष	10वी	सामान्य	9817798004

समान रूचि समूह के सदस्य

2 समान रूचि समूह का विवरण

2.1	समान रूचि समूह का नाम	चिरायता जड़ी-बूटी समान रूचि समूह
2.2	समान रूचि समूह का एम. आई. एस.कोड	—
2.3	ग्रामीण वन विकास समिति	पाहनाला
2.4	वन परिक्षेत्र	भुंतर
2.5	वन मण्डल	शमशी
2.6	गांव	पाहनाला
2.7	विकास खण्ड	भुईन
2.8	जिला	कुल्लू
2.9	समूह के कुल सदस्यों की संख्या	10
2.10	समूह के गठन की तिथि	23 अक्टूबर, 2021
2.11	समान रूचि समूह की मासिक बचत	-
2.12	बैंक का नाम और शाखा जंहा समूह का खाता संचाालित	हिमाचल ग्रामीण बैंक दोहरानाला
2.13	बैंक खाता संख्या	88330100030975
2.14	समूह की कुल बचत	-
2.15	समूह द्वारा सदस्यों को दिया गया ऋण	-
2.16	कैश क्रैडिट सीमा समूह सदस्यों द्वारा वापस किया गया ऋण की स्थिति	-

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	14 कि0मी0
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	11 कि0मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 14, भुन्तर 15 कि0मी0
3.4	मुख्य बाजार से दूरी और नाम	कुल्लू 14 कि0मी0
3.5	अन्य प्रमुख शहरों और कसबों से दूरी	कुल्लू 14 कि0मी0 भुन्तर 15 कि0मी0
3.6	बाजार/बाजारों से दूरी जहां पर उत्पादन की बिक्री की जायेगी	कुल्लू 14 कि0मी0 भुन्तर 15 कि0मी0
3.7	ग्राम के सम्बन्ध में अन्य कोई विशिष्ठता जो समूह द्वारा चयनित आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित हो	--
3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	8 कि0मी0
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	3 कि0मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 14 कि0मी0, मौहल 9 कि0मी0, भुन्तर 15 कि0मी0
3.4	मुख्य बाजार से दूरी और नाम	कुल्लू 14 कि0मी0, मौहल 9 कि0मी0, भुन्तर 15 कि0मी0
3.5	अन्य प्रमुख शहरों और कसबों से दूरी	कुल्लू 14 कि0मी0, मौहल 9 कि0मी0, भुन्तर 15 कि0मी0
3.6	बाजार/बाजारों से दूरी जहां पर उत्पादन की बिक्री की जायेगी	कुल्लू 14 कि0मी0, मौहल 9 कि0मी0, भुन्तर 15 कि0मी0
3.7	ग्राम के सम्बन्ध में अन्य कोई विशिष्ठता जो समूह द्वारा चयनित आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित हो	

(क) व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?

(ख) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

- समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना।
- समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना।
- उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना।
- सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना।
- आजीविका की बढोतरी।

(ग) व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल

(घ) व्यवसाय योजना के कार्यों का विवरण :

(1) <u>सामुदायिक गतिशीलता :</u> इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलन के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थीयों की छंटनी की गयी है।

(2) <u>समूह का निर्माण :</u> समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समान रूचि समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष, सचिव व् कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है । समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्ते निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है।

(3) <u>क्षमता का निर्माण :</u> लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है।

(4) <u>बाज़ार से जोड़ना :</u> अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजि सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है।

(5) <u>अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :</u>

(i) वित्तीय प्रबंधन : (पूंजीगत व्यय का 100% परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगी, तथा इसके इलावा उत्पादन व विपणन हेतु गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान मौहल, कुल्लू में परियोजना द्वारा प्रशिक्षण करवाया जाएगा।

(ii) मानव : 10 सदस्य

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	चिरायता उत्पादन (बूटी-जड़ी)
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	समूह विचार विमर्श -
4.3	समान रूचि समूह के सदस्यों की सहमति	हाँ (सहमति पत्र पृष्ठ परसलंग्न है।)

5. उत्पादन की प्रक्रिया का विवरण

सर्वप्रथम **समान रूचि समूह** के सदस्यों को परियोजना द्वारा चिरायता उत्पादन (जड़ी-बूटी) पौधे के उत्पादन प्रकिया की तकनीकी जानकारी व प्रशिक्षण गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान मौहल, कुल्लू के माध्यम से दिया जाएगा । प्रशिक्षण के उपरान्त समूह के 10 सदस्य चिरायता उत्पादन (जड़ी-बूटी) औषधि पौध के उत्पादन का कार्य करेंगे। प्रथम वर्ष गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान मौहल, कुल्लू की नर्सरी में एक वर्ष के पौधे P/bag में उपलब्ध है को खरीद कर पौधा रोपण क्षेत्र में लगाएंगे । संस्थान के

अधिकारीयों के पौधे रोपण के लिए 6000 पौधे 20 रुपए प्रति पौधे की दर से उपलब्ध कराने की सहमती दी है । फरवरी और मार्च में 2022 में पौधे रोपण किया जाएगा तथा 1 वर्ष 6 महीने के बाद चिरायता के पौधे उत्पादन करके व विपणन के लिए अक्टूबर और नवम्बर में 2023 तैयार हो जायेंगे । साथ ही आगामी चक्र के लिए पौधा रोपण के साथ समूह द्वारा स्वयं 6000 पौधे के लिए नर्सरी में फरवरी और मार्च में बिजाई करेंगे । एक वर्ष तक का पौधे नर्सरी में ही बड़ा करेंगे । फरवरी और मार्च 2024 में पौधा रोपण करेंगे । 1 वर्ष 6 महीने परीपक्वा होने पर आगामी वर्ष में विपणन के लिए तैयार हो जाएंगे । प्रथम चक्र में पौधे रोपण व नर्सरी का कार्य साथ-साथ चलेगा अत: आगामी चक्र 1 वर्ष 6 महीने तक रखा गया है । वास्तव में नर्सरी में चिरायता पौधे उगाने से लेकर परिपक्वा होने तक 2 वर्ष 6 महीने लगते हैं। क्योंकि प्रथम वर्ष तैयार किये गए पौधे मिलेंगे तथा आगामी वर्षों के लिए पौधे साथ-साथ तैयार करेंगे अत: चक्र को 1 वर्ष 6 महीने ही रखा गया है।

<u>पौधारोपण कार्य</u>

समूह के सभी 10 सदस्यों प्रारम्भ में पौधारोपण क्षेत्र लगभग 1400 से 1500 वर्ग मीटर क्षेत्र में तार-बाड-बन्दी का कार्य करेंगे । यह कार्य लगभग 4 दिन में 8 घंटे कार्य करने पर पूर्ण करेंगे । इसके बाद चिरायता पौधा रोपण के लिए 625 वर्ग मीटर बेड़ों का तथा 98 वर्ग मीटर पानी की नालियाँ बनायेंगे । बनाये गए बेड में 5 क्विंटल गोबर खाद को भी मिलाएंगे । यह कार्य लगभग 8 दिन में पूर्ण करेंगे । बनाये गए बेड़ों में फरवरी और मार्च में 15x15x15 के 6000 गड़े खोद कर P/bag में उगाये गए एक वर्ष चिरायता के पौधे रोपित करेंगे । इस कार्य को पूर्ण करने के लिए लगभग 6 दिन लगेंगे । लगाए हुए पौधे को समूह के सदस्यों में से बारी-बारी से एक व्यक्ति सूखे मौसम में लगभग एक घंटे आवश्यकता के अनुसार स्प्रिंकलर द्वारा प्रतिदिन सिंचाई करेंगे ताकि उचित मात्रा में नमी बनी रहे । सिंचाई करते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि इतनी ही सिंचाई करे ताकि आवश्यक नमी बनी रहे । गर्मियों में तीन माह तक (अप्रैल, मई और जून) में दो बार (शाम और सुबह) सिंचाई करनी आवश्यक है। यह अनुमानित किया गया है कि लगभग 1 वर्ष 6 महीने में (400 घंटे) के लगभग सिंचाई करेंगे। जिसकी औसत मजदूरी दिन 50 बनते हैं । इस अतिरिक्त पुरे चक्र में निंडाई व गुडाई की 6 से 8 बार आवश्यकता पड़ेगी ताकि पौधे में खरपतवार को हटाये जा सके और उचित आकर व गुणवत्ता के पौधे तैयार हो सके। इस कार्य को पूर्ण करने के लिए लगभग 240 दिन मानव दिवस अनुमानित किये हैं । लगभग 1 वर्ष 6 महीने बाद माह अक्टूबर-नवम्बर में चिरायता के पौधे परिपक्वा होने पर जड़-मूल-पती-फुल-पती सहित उखाड कर तरपाल में बिखेर कर सुखागे इसमें लगभग 25 दिन मानव दिन लगेंगे । सूखने पर बोरों में तुलाई व भराई (पैकिंग) करके विक्रय किया जायेंगा। डॉ. के एस कनवाल के अनुसार 4 से 5 पौधे से 1 किलोग्राम तक उत्पादन होता है इस प्रकार 1500 किलोग्राम चिरायता का उत्पादन 6000 पोधों के परिपक्वा होने पर अनुमानित किया गया है।

<u>नर्सरी कार्य</u>

फरवरी-मार्च 2022 में मातृ बेड 20 वर्ग मीटर में खोद कर 10 सेंटीमीटर ऊँचे व 1 मीटर चौड़े बनाएंगे इन बेड की कुदाई करके 20 किलोग्राम गोबर खाद मिलाकर तैयार करेंगे । इस कार्य के लिए 3 मानव दिवस अनुमानित किया गया है। बनाए गए बेड में 10-10 सेंटीमीटर की दूरी पर लाइने बनाकर चिरायता बीज की बिजाई करेंगे । इसमें 1 मानव दिवस लगेगा। बीज की अंकुरित होने पर दिन दो बार प्रति घंटा सुबह और शाम लगभग 4 माह तक सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। उपरोक्त कार्य के लिए 30 मानव दिवस अनुमानित किया गया है । उपरोक्त

मातृ बेड की 4 माह में 4 बार निंदाई व गुडाई करेंगे। इसके लिए 8 मानव दिवस लगेंगे । जून माह में P/bag (10X15 सेंटीमीटर) में मिटटी को छान कर व गोबर खाद 1 क्विंटल मिलाकर भरेंगे। इसके लिए 95 मानव दिवस अनुमानित किये गए है। जुलाई माह में मातृ बेड से पौधे उखाड़ कर भरे गए P/bags में रोपित करेंगे तथा 10-15 दिन के बाद अगर कुछ पौधे P/bag में मर जाते है तो दुवारा मातृ बेड से उखाड़ कर लगाएंगे। इस कार्य के लिए 22 दिन प्रस्तावित किये गए है। P/bag में लगाएंगे पौधो की सिंचाई गर्मियों में दिन में 2 बार तथा सर्दियों में 1 बार सूखे मौसम में करनी अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए 102 दिन अनुमानित किये गए है। इसके इलावा P/bag में लगाई गई पौधों में निंदाई व गुडाई लगभग 6 बार वर्ष में करने के लिए 28 मानव दिवस अनुमानित किये गए है । इसके इलावा 3 बार पॉलिथीन P/bag का स्थानांतरण (shifting) प्रस्तावित किये गए है । इसमें लगभग 29 मानव दिवस लगेंगे।

समूह को 1 वर्ष 6 महीने में 1500 किलोग्राम बेड़ों में चिरायता के उत्पादन व नर्सरी में 1 वर्ष का कार्य करने में जितना समय लगेगा उस समय को मानव दिवस में निम्मन प्रकार से अनुमानित किया गया है।

नर्सरी व पौधा रोपण क्षेत्र में चिरायता की पौधों को ओला बृष्टि से भारी नुकशान होता है और ओले से पौधों के क्षतिग्रस्त होने पर पौधे मर जाते हैं | इसीलिए नर्सरी व पौधा रोपण क्षेत्र को एंटी हैल नेट से सुरक्षा प्रदान करना अति आवश्यक है | अत: लगभग 720 वर्ग मीटर को एंटी हैल नेट से पौधों को सुरक्षा प्रदान की जाएगी | यह कार्य समान रूचि के 10 सदस्य एक दिन में पूर्ण करेंगे |

<u>पौधे रोपण कार्य की मजदूरी</u>

क्रमांक	**कार्य का नाम**	**औसत मानव दिवस**	**मजदूरी**
1	तार बाड बन्दी	40	12000
2	बेड व नाली तैयार करना	80	24000
3	चिरायता पौधा रोपण	60	18000
4	पानी देने की मजदूरी	50	15000
5	निंडाई व गुडाई	240	72000
6	दोहन, सुखाना बोरों में भराई	28	8400
	योग	**498**	**149400**

<u>नर्सरी कार्य की मजदूरी</u>

क्रमांक	**कार्य का नाम**	**औसत मानव दिवस**	**मजदूरी**
1	मातृ बेड तैयार करना	3	900
2	मातृ बेड में बिजाई करना	1	300
3	मातृ बेड की सिंचाई	30	9000
4	मातृ बेड की निंदाई व गुडाई	8	2400

5	10x15 सेंटीमीटर P/bag को मिटटी व गोबर खाद मिलाकर भरना	95	28500
6	मातृ बेड को पौधे से उखाड कर P/bag में रोपित करना	22	6600
7	P/bag में लगाए गए पौधे की सिंचाई	102	30600
8	P/bag में लगाए गए पौधों की निंदाई व गुडाई	28	8400
9	पॉलिथीन P/bag का स्थानांतरण (shifting) 3 बार	29	8700
	योग	**318**	**95400**

सारांश मजदूरी

क्रमांक	**कार्य का नाम**	**औसत मानव दिवस**	**मजदूरी**
1	पौधे रोपण	498	149400
2	नर्सरी	318	95400
	योग	**816**	**244800**

6. उत्पादन हेतु नियोजन

6.1 प्रति चक्र कार्य दिवस : 816 दिवस (1 वर्ष 6 महीने में)

6.2 प्रति चक्र काम करने वाले व्यक्ति : 10 व्यक्ति

6.3 कच्चे माल का स्त्रोत : वन क्षेत्र पाह नाला में उत्पादन व स्थानीय बाज़ार (प्रथम वर्ष जी० बी० पंत संस्थान मौहल से चिरायता बीज व पौधे का क्रय)

नोट: समान रूचि समूह प्रशिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है तथा इस व्यवसाय योजना में शामिल नहीं है।

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	**सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम**	भुन्तर, मौहल और कुल्लू
7.2	**उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी**	कुल्लू 14 कि0मी0, मौहल 9 कि0मी0, भुन्तर 15 कि0मी0
7.3	**बजार में उत्पाद की अनुमानित मांग**	उत्पादन से अधिक मांग है।
7.4	**बजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया**	गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान मौहल कुल्लू इस कार्य को पहले से कर रह है।
7.5	**मौसम मे ंपरिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति**	समान्य रहती है।

7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान मौहल कुल्लू व अन्य बाज़ार
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के सहयोग से हिमाचल प्रदेश की आयुर्वेदिक औषधि बनाने के संस्थानों को व अन्य राज्यों में विक्रय किया जाएगा |
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	मौके पर या गाडी द्वारा परिवहन करके गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान को भेजा जाएगा |
7.9	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	मांग कम होने पर समीप के राज्यों के आयुर्वेदिक औषधि बनाने के संस्थानों से सम्पर्क किया जाएगा |
7.10	उत्पाद का ब्राण्ड नाम	"पाहनाला चिरायता जड़ी-बुटी उत्पाद"
7.11	उत्पाद का ''नारा''	"समूह संगे चिरायता जड़ी-बूटी लगाणी" देशारे सभी लोकारी बीमारी भगाणी"

8. समूह सदस्यों के मध्य उद्यम का प्रबन्धन :

समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बटवारा करेंगे तथा किये गये कार्य के अनुपात में प्राप्त आय का वितरण करेंगे। समान रूचि समूह कार्य का बंटवारा एवं प्रत्येक सदस्य की भूमिका सदस्य की आर्थिक शारीरिक एवं मानसिक क्षमता के आधार पर की जायेगी। यही सदस्य वितय लेन देन का हिसाब रखेंगे।

9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर, जोखिम का विश्लेषण (SWOT Analysis)

शक्ति: -

1. सभी समूह सदस्य सामान व् अनुकूल सोच रखते है ।
2. समूह के एक सदस्य एक समूह में का कार्य करेंगे।

दुर्बलता: -

1. नया समूह है।
2. समूह में कार्य करने का अनुभव नहीं है।

अवसर: -

1. समूह में कार्य करने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है।
3. परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय वहन किया जाएगा।
4. परियोजना द्वारा प्रशिक्षण विशेषज्ञ से प्रशिक्षण करवाया जाएगा।

जोखिम

1. समूह में आन्तरिक झगडे होने पर समूह का कार्य प्रभावित हो सकता है।
2. पारदर्शिता के अभाव में समूह टूटने की सम्भावना हो सकती है।

10. उघम हेतु अनुमानित लागत एवं उत्पाद के विक्रय मूल्य की गणना/आकलन :

अ. पूंजीगत व्यय (अनुसूचित जाति)

क्रमाक	गतिविधि	**इकाई**	मात्रा	मुल्य **दर (रु०**	कुल व्यय	परियोजना अंश
1	तार (B/Wire)	क्विंटल	0.75	6500	4875	4875
2	कृषि ओजार	L/S	L/S	4000	4000	4000
3	अलकाथिन पाइप (1 इंच)	मीटर	150	15	2250	2250
4	फ्लेक्सिबल अलकाथिन पाइप (1/2 इंच)	मीटर	30	40	1200	1200
5	बीज (चिरायता)	ग्राम	100	25	2500	2500
6	P/bag में 1 वर्ष के पौधे का मूल्य	नंo	6000	20	120000	120000
7	गोबर (खाद) परिवहन सहित	क्विंटल	5	600	3000	3000
8	तरपाल	नंo	4	1500	6000	6000
9	स्त्रोत के पास पानी की छोटी नाली व छोटे टैंक (3x4) का निर्माण	L/S	L/S	15000	15000	15000
10	गाडी से मौहल से पाहनाला तक P/bag की डुलाई, लदान व उतारना सहित खर्चा	L/S	L/S	5000	5000	5000
11	एंटी हैल नेट	वर्ग मीटर	720	32	23040	23040
12	बांस / सफेदा पोल / नायलॉन रसी फिक्सिंग कम्पलीट			L/S	15000	15000
	योग				**201865**	**201865**

(ब) आवर्ती व्यय (एक चक्र के लिए) 1 वर्ष 6 महीने लिया गया है

(क) पौधा रोपण का व्यय

क्रमाक	**विवरण व खर्चा**	**इकाई**	**मात्रा**	**कार्य में लगने बाले मानव दिवस**	**दर**	**लागत धनराशी / व्यय (रु०)**

1	तार लगाने का व्यय (खम्बे गाड़ना, खम्बे के लिए गड़े खोदना, तार को लगाना व खेचना तथा कांटे दार झाडीयों से इंटरलेसिंग करना	मीटर	180	40	300	12000
2	पौधा रोपण के लिए खाद मिलाकर बेड तैयार करना नाली बनाना (water channel)	वर्ग मीटर	625 98	80	300	24000
3	बेड में 15x15x15 सेंटीमीटर के गड़े बनाना व खोदे गए गडों में चिरायता पौधों का रोपण करना व सड़क से पौधे रोपण क्षेत्र तक दुलाई करना (लगभग 50 मीटर तक)	प्रति 100	6000	60	300	18000
4	बेड़ों की 6 बार (1 वर्ष 6 महीने में) निंडाई व गुडाई	वर्ग मीटर	625x6 = 3750	240	300	72000
5	सूखे मौसम में बेड में प्रतिदिन एक घंटा पानी देना और गर्मियों में दो बार प्रति बार एक घंटा स्प्रिंकलर से पानी को देना (400 बार = 400 घंटे / 8= 50 दिन)	दिन	50	50	300	15000
6	चिरायता परिपक्वा होने पर जड़ मूल पती सहित उखाड़ और सुखा कर बोरी में पैक करने इत्यादि की मजदूरी	L/S	L/S	28	300	8400
7	बांस / सफेदा पोल / नायलॉन रसी फिक्सिंग करने की मजदूरी	दिन	-	10	300	3000
	योग			**498**		**152400**

(ख) नर्सरी व्यय

क्रमांक	**विवरण व खर्चा**	**इकाई**	**मात्रा**	**कार्य में लगने बाले मानव दिवस**	**दर**	**धन राशी / व्यय (रु०)**
1	P/bag का मूल्य	किलोग्राम	15	-		3000
2	गोबर खाद	किलोग्राम	120	-		720
3	अगले वर्ष के लिए मातृ बेड में गोबर खाद मिलाकर तैयार करना	वर्ग मीटर	20	3	300	900
4	10 सेंटीमीटर की दुरी पर लाइन बनाकर चिरायता बीज की बिजाई करना	वर्ग मीटर	20	1	300	300

5	फुवारा से सूखे मौसम में मातृ बेड में प्रतिदिन तीन महीने तक दो बार पानी देना (75 दिन)	वर्ग मीटर	20x75x2 =3000	30	300	9000
6	मातृ बेड की 6 बार निंडाई व गुडाई	वर्ग मीटर	6X20= 120	8	300	2400
7	10 x 15 सेंटीमीटर के P/bag में मिटटी की छनाई, गोबर खाद मिलाकर भरने सहित	प्रति 100	6000	95	300	28500
8	मातृ बेड से पौधों को उखाड़ कर मिटटी से भरे P/bag में रोपित करना	प्रति 100	6000	22	300	6600
9	पॉलिथीन में लगाए गए पौधों को सूखे मौसम में एक बार प्रतिदिन पानी देना (5 महीने x 25 दिन औसत = 125 दिन)	प्रति 1000	6000 x 125 = 750000	102	300	30600
10	P/bag में लगाए गाये पौधों की निंडाई व गुडाई 6 बार	प्रति 100	6000 x 6 =36000	28	300	8400
11	पॉलिथीन P/bag का स्थानांतरण (shifting) 3 बार	प्रति 100	6000 x 3 =18000	29	300	8700
	योग			**318**		**99120**

- **मजदूरी का जो धन 251520 रुपए लागत व लाभ अनुपात (विश्लेषण में) निकालने के लिए दर्शाए गए हैं| वास्तव में मजदूरी का धन खर्च नहीं करना पड़ेगा | क्योंकि समान रूचि समूह के सदस्यों दुआर नर्सरी व पौधा रोपण का कार्य स्वयं करेंगे |**

<u>सारांश : -</u>

नर्सरी व्यय (रुपए में) - 99120

पौधारोपण व्यय (रुपए में) - 152400

योग - 251520

(स)- उत्पादन की लागत (एक चक्र के लिए)

क्र0स0	विवरण	धनराशि (रू0)
1	कुल आवर्ती व्यय	251520
2	पूंजीगत व्यय	201865
	योग	**453385**

(द) **विक्रय मूल्य की गणना / आंकलन (प्रतिचक्र**

क्र0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशी
1	उत्पादन की लागत	क्विंटल	15	16768	251520
2	निर्धारित लाभ	81.07 %	15	13232	198480
3	उत्पादन की अनुमानित विक्रय	क्विंटल	15	30000	450000

11. उघम हेतु लागत - लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) :

क्र0स0	विवरण	धनराशि (रू)
1	आवर्ती व्यय	251520
3	कुल उत्पादन (किलोग्राम में)	15 क्विंटल
4	उत्पादन की विक्री मूल्य	450000
5	उत्पादन से आय (1500 किलोग्राम)	450000
6	कुल लाभ = 450000 - 251520	198480
7	उत्पाद से सकल लाभ = कुल लाभ + (मजदूरी) = 198480 + 274800	446280
8	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतु उपलब्ध धनराशी = उत्पाद की विक्री से आय - (दुसरे चक्र हेतु आवश्यक आवर्ती व्यय + मजदूरी) **=** 450000 - (3720 + 247800)	198480

- मजदूरी की धनराशी का सदस्यों द्वारा लगाए गए कार्य दिवस के अनुसार बंटवारा किया जाएगा।
- शुद्ध लाभ का वितरण बराबर किया जाएगा।
- दुसरे चक्र का आवर्ती व्यय सदस्यों द्वारा अंशदान करके करेंगे तथा आगामी वर्षों में लाभ से काट कर करेंगे।

12. धन की आवश्यकता

समूह की वित्तीय आवश्यकता :

क्र0स0	मद	धनराशी(रु)
1	पूंजीगत व्यय	201865
2	आवर्ती व्यय	3720
3	अन्य व्यय	0
	योग	**205585**

- पूंजीगत व्यय की सारी धन राशी प्रथम वर्ष सहायता से रूप में प्रदान की जाएगी।

13. समूह के वित्तीय संसाधन :

क्र0स0	**संसाधन का विवरण**	**धनराशी (रु)**
1	परियोजना द्वारा (कुल पूंजीगत व्यय की सहायता)	201865

2	लाभार्थी अंश	3700
3	समूह की आंतरिक बचत	0
	योग	**205565**

- 3000 रुपए की 5 क्विंटल गोबर खाद समूह के सदस्य अंशदान के रूप में देंगे तथा 3000 रुपए पॉलिथीन bag खरीद के लिए नकदी के रूप अदा करेंगे।

14. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य प्रति कु० - आवर्ती लागत प्रति कु०

= 201865 / 30000 - 16768 = 201865 / 13232

= 201865 / 13232 = 15.25 क्विंटल

15.25 क्विंटल सुखा चिरायता बेचने पर ब्रेक इवन पॉइंट प्राप्त किया जाएगा।

टिप्पणी/ गणना

समान रूचि समूह द्वारा प्रति चक्र (1 वर्ष 6 महीने बाद) कुल राशी वितरण हेतु 446280 . रुपए उपलब्ध होगी | इसमें से मजदूरी के रूप में 274800 रूपए तथा लाभांश से 198480 रूपए प्राप्त होंगे |

स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि

1. **समान रूचि समूह** का काम : **चिरायता उत्पादन (जड़ी-बूटी)**
2. समूह का पता : **गाँव पाहनाला, डाकघर दोहरानाला, तहसील और जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश |**
3. समूह के कुलसदस्यः 10
4. समूह की पहली बैठक की तिथि ;**23 अक्टूबर, 2021**
5. समूह की मासिक बैठक हर माह की 05 तारिक को होगी
6. **समान रूचि समूह** की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
7. **समान रूचि समूह** समूह का खाता **हिमाचल ग्रामीण बैंक दोहरानाला** शाखा में खोला जाएगा खाता संख्या नंबर 88330100030975 है!
8. समूह की बैठक में **गैर** हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
9. समूह 3 बेठकों तक समूह से **गैर** हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
10. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए **वगैर** हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
11. **समान रूचि समूह** के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
12. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है
13. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
14. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है **तो लाभांश का अधिकारी नहीं होगा**
15. **समान रूचि समूह** के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
16. समूह को अपनी **त्रैमासिक** रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी !

आज दिनांक 31/12/21 को पाहनाला ग्राम की समिति की बैठक का आयोजन प्रधान श्री रि... राम जी की अध्यक्षता में की गई।

बैठक में चिरायता खेती/उत्पादन एवं समान कृषि समूह पाहनाला की व्यवसाय योजना को कार्यकारिणी के सदस्यों व समूह के सदस्यों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा अनुमोदित की गई।

व्यवसाय योजना आगामी कार्यवाही एफ० टी० यू० के माध्यम से डी० एम० यू० पार्वती से स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करने के लिए वनरक्षक श्री दिनेश कुमार जी को स्वीकृति प्राधिकृत किया गया।

बैठक के निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया।

क्र० सं०	नाम	पद	हस्ताक्षर
1)	रिगलू राम	प्रधान	रिगलू राम
2)	आशा देवी	उप प्रधान	
3)	निशा	सचिव	निशा देवी
4)	बली राम	उप सचिव	Bali Ram
5)	संजय कुमार	सदस्य	Sanjay Ku
6)	विनोद कुमार	सदस्य	Vinod Kum
7)	टिकी देवी	"	टिकी देवी
8)	उर्मिला देवी	"	उर्मिला देवी
9)	निशा देवी	"	Nisha Devi
10)	प्रेमलाल	"	Prem Lal
(11)	टीपी देवी	"	टीपी देवी
(12)	दुर्गी देवी	"	दुर्गी
(13)	गंगा राम	"	Ganga Ram
(14)	भीरा	"	भीरा
		"	

14 24/4 / 24/4

समूह का सहमती पत्र

आज दिनाकं 31-12-2022 को 'चिरायता जड़ी-बूटी समूह पाहनाला' समान रुची समूह की बैठक हुई ! बैठक में प्रधान श्री टेक चन्द की अध्यक्षता में हुई जिसमे समूह के सदस्यों ने सर्व सहमती से निर्णय लिया की आय बढाने के लिए चिरायता औषधी पौधे का उत्पादन का कार्य करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाईका) से जुड़ने की सहमती प्रदान करते है !

प्रधान सचिव
चिरायता समान रुचि समूह
समूह के सदस्यों के हस्ताक्षर

Tekchand
प्रधान सचिव
चिरायता समान रुचि समूह
समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

Recommended for approval

RANGE FOREST OFFICER
BHUNTAR FOREST RANGE
BHUNTAR, DISTT. KULLU (H.P.)

Approved.

DMU Officer JICA FP-cum-
DFO Parvati at Shamshi

समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ

 श्री टेक चन्द (प्रधान)	 श्री मान दास (सचिव)	 श्रीमती दुर्गा देवी (कोषाध्यक्ष)	 श्री जगदीश (सदस्य)
 श्री महेंद्र पाल (सदस्य)	 श्रीमती टिकी देवी (सदस्य)	 श्री बिहारी लाल (सदस्य)	 श्री श्याम चंद (सदस्य)
 श्री कमल राज (सदस्य)	 श्री भूपेन्द्र सिंह (सदस्य)		